ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

अमृतवेला

जब अलौकिक जीवन में हो, अलौकिक कर्म करने वाले हो, तो इस अलौकिक जीवन में खिलौने सभी अलौकिक हैं जो सिर्फ इस अलौकिक युग में ही अनुभव करते हो। यह तो खिलौने हैं जिससे खेलना है, न कि हारना है। तन्दुरूस्तीवा शारीरिक शक्ति के लिए भी खेल कराया जाता है ना। अलौकिक युग में अलौकिक बाप द्वारा यह अलौकिक खेल है, ऐसे समझकर खेलो तो फिर डरेंगे, घबरायेंगे नहीं, परेशान नहीं होंगे, हार नहीं खायेंगे। सदा इसी शान में रहो। तो यह हैं अलौकिक खिलौने खेलने के लिए। इस ईश्वरीय शान में रहने से सहज ही देह का भान खत्म हो जायेगा। ईश्वरीय शान से नीचे उतरते हो तब देह-अभिमान में आते हो। तो सदाकाल के संग से संग का रंग लगाओ। **हर सेकेण्ड बाप से मिलन मनाते हर रोज अमृतवेले से मस्तक पर विजय का तिलक जो लगा हुआ है उसको देखो। अपने चार्ट रूपी दर्पण में, जैसे अमृतवेले उठकर शरीर का श्रृंगार करते हो ना, वैसे पहले बाप द्वारा मिली हुई सर्व शक्तियों से आत्मा का श्रृंगार करो। जो श्रृंगार किये हुए होंगे वह संहारीमूर्त भी होंगे। सारे विश्व में सर्वश्रेष्ठ आत्मायें हो ना। श्रेष्ठ आत्माओं का श्रृंगार भी श्रेष्ठ होता है। आपके जड़ चित्र सदा श्रृंगारे हुए रहते हैं। शक्तियों वा देवियों के चित्र में श्रृंगारमूर्त और संहारीमूर्त दोनों हैं। तो रोज अमृतवेले साक्षी बन आत्मा का श्रृंगार करो। करने वाले भी आप हो, करना भी अपने आप को ही है। फिर कोई भी प्रकार की परिस्थितियों में डगमग नहीं होंगे, अडोल रहेंगे। ऐसे को होली हंस कहा जाता है। लोग होली मनाते हैं लेकिन आप स्वयं होली हंस हो।**

AMRITVELA

Since you are in your alokik life, and you are those who perform alokik actions, all the games you have in this alokik life are also alokik, and only in this alokik age do you experience them. This is a game which you have to play and not be defeated in. You are made to play games in order to maintain good health and physical strength. In the alokik age, you are made to play this alokik game by the alokik Father. Play the game with this awareness, and you will then not become afraid or confused - you will not become distressed, and you will not be defeated. Constantly stay in the state of this pride. So, these are alokik toys to play with. When you stay in this Godly pride, awareness of the body will easily be finished. When you come down from Godly pride, you then become body conscious. So now colour yourself with the colour of constant company for all time. **At every second - whilst celebrating a meeting with the Father - look in the mirror of your chart at the tilak of victory which you apply on your forehead everyday at Amrit vela. Just as you wake up at Amrit vela and decorate the body, in the same way, decorate the soul with all the powers received from the Father. Those who are decorated will become images that can destroy evil. You are the most elevated souls out of the whole world, are you not? The decoration of elevated souls is also elevated. Your non-living images are constantly decorated. The images of the Shaktis and goddesses are portrayed as the decorated images that destroy evil. So, every day at Amrit vela, be a detached observer and decorate your soul. You are the ones who have to put on the decorations, and you have to put them on your own selves. Then you will not fluctuate in any situation, but will remain unshakeable. Such souls are called holy swans. People celebrate Holi, but you yourselves are holy swans.**

Today's Awareness

Brahma Kumaris

I, the soul, a point of light, I am the child of the Supreme Soul, a Point of Light. I inherit Heavenly inheritance of happiness and peace from Him as my birth right.

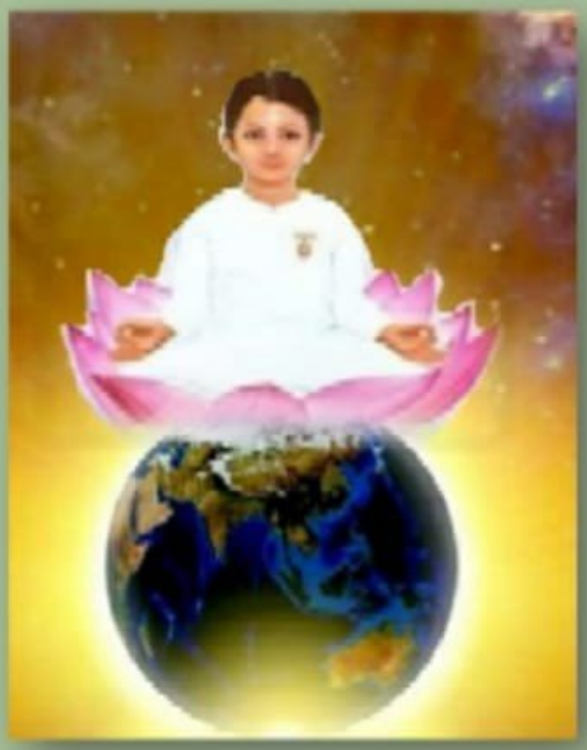

"I am a POWERFUL BEING.
I am the creator of every
feeling irrespective
of the stimulus.
No one can hurt me.
I create every emotion....
I have a choice.
I take personal
responsibility.....
I heal myself....
I forgive myself."

जो दिखावे के लिए सेवा करेंगें वो टूटते रहेंगें। और जो गुप्त सेवा करेंगें वे सदा स्थिर रहेंगें।

facebook.com/AvyaktMurliEssence

श्रेष्ठ प्रेरणा

जब हमारे अच्छा करने पर भी सामने वाला हमारी निंदा करे तो हमें बुरा लगता है... लेकिन बुरा महसूस करने के बजाए यदि हम यह समझ जाएं कि सामने वाला अपने व्यवहार के लिये स्वतंत्र है... मेरी उनसे अच्छे व्यवहार की अपेक्षा मुझे बुरा अनुभव करा रही है...

इसलिए अपेक्षा रूपी बंधन को जितनी जल्दी तोड़ेंगे उतना अच्छा महसूस होगा...।

Download App - Learn Rajyoga Meditation

हम चाहे दिन में एक ही बार डाँटें
लेकिन हमारे आस पास लोग
सारा दिन डर में रहते हैं
और डाँट के बाद, दर्द में।
उनके Negative Vibrations
सारा दिन हमें पहुँचते हैं।

लोग निश्चिन्त होकर काम करें,
यह हमारी और उनकी
खुशी और सेहत के लिए ज़रूरी है।

- B K S H I V A N I

facebook.com/BKShivani
youtube.com/BKShivani

"पवित्रता सिर्फ ब्रह्मचर्य नहीं, मन्सा-वाचा-कर्मणा किसी में भी पवित्रता खण्डित न हो तब कहेंगे पूज्य आत्मा।"

पवित्रता पूज्य बनाती है। पूज्य वही बनते हैं जो सदा श्रेष्ठ कर्म करते हैं। लेकिन पवित्रता सिर्फ ब्रह्मचर्य नहीं, मन्सा संकल्प में भी किसी के प्रति निगेटिव संकल्प उत्पन्न न हो, बोल भी अयथार्थ न हो, सम्बन्ध-सम्पर्क में भी फ़र्क न हो, सबके साथ अच्छा एक जैसा सम्बन्ध हो। मन्सा-वाचा-कर्मणा किसी में भी पवित्रता खण्डित न हो तब कहेंगे पूज्य आत्मा। मैं परम पूज्य आत्मा हूँ – इस स्मृति से पवित्रता का फाउन्डेशन मजबूत बनाओ।

Sakar Murli - 16-05-2019

"I am a CARING BEING.
Radiating happiness and
making them comfortable
That is my nature ... It is not for pleasing them ...
Nor to meet up to their expectations.
I care selflessly ... no wants from anyone.
I radiate an unconditional feeling
Of being there for other people."
BKShivani

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org